



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 8 जनवरी, 2001/18 पौष, 1922

हिमाचल प्रदेश सरकार

निर्वाचन विभाग

अधिसूचना

शिमला-171009, 23 दिसम्बर, 2000

संख्या 3-15/2000-ई.एल.एन.—भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना संख्या 56/2000-न्यायिक-III, दिनांक 1 दिसम्बर, 2000 तदनुसार 10 अग्रहायण 1922 (शक्) जो कि निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) आदेश, 1968 के सम्बन्ध में है, को इसके अंग्रेजी रूपान्तर सहित जनसाधारण की सूचना हेतु प्रकाशित किया जाता है ।

आदेश से,
भीम सेन,
मुख्य निर्वाचन अधिकारी,
हिमाचल प्रदेश ।

भारत निर्वाचन आयोग

अधिसूचना

निर्वाचन सदन,
अशोक रोड,
नई दिल्ली-110001.

1 दिसम्बर, 2000

तारीख—
अग्रहायण 10, 1922(शक्)

संख्या 56/2000/न्यायिक-III.—भारत निर्वाचन आयोग, एतद्वारा निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 5 और 10 के साथ पठित भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन प्रवर्तक (आरक्षण और आबंटन आदेश 1968 में निम्नलिखित संशोधन और करने के लिए निम्नलिखित आदेश करता है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—

I. इस आदेश को निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) (संशोधन) आदेश, 2000 कहा जाएगा ।

II. यह भारत के राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा ।

2. पैरा 6 और 7 का प्रतिस्थापन:—

निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) आदेश, 1968 (इसमें इसके पश्चात् मुख्य आदेश के रूप में संदर्भित) में पैरा 6 और 7 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किए जायेंगे, अर्थात्:—

“6. राजनैतिक दलों का वर्गीकरण:—(1) इस आदेश के प्रयोजनों के लिए, और ऐसे अन्य प्रयोजनों के लिए जिन्हें उनकी आवश्यकता पड़ने पर, आयोग विनिर्दिष्ट करे, राजनैतिक दल या तो मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल हैं अथवा अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दल ।

(2) कोई मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल या तो राष्ट्रीय दल होंगे या राज्यीय दल ।

6 क. राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता के लिए शर्तें—

एक राजनैतिक दल का तभी और केवल तभी एक मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल के रूप में माना जायेगा, यदि:—

या (क) (I) उनके द्वारा खड़े किए गए अभ्यर्थियों ने लोक सभा या सम्बन्धित राज्य विधान सभा के पिछले साधारण, निर्वाचन में किसी भी चार या अधिक राज्यों में, उस साधारण निर्वाचन में अपने उनके अलग-अलग राज्यों में डाले गए कुल वैध मतों के छह प्रतिशत से कम मत प्राप्त नहीं किए हैं और (II) इसके अतिरिक्त, किसी राज्य या राज्यों में से उपर्युक्त पिछले साधारण निर्वाचन में इसने लोक सभा के लिए कम से कम चार सदस्य निर्वाचित कराए हैं ;

या (ख) (I) इसके अभ्यर्थी लोक सभा के पिछले साधारण निर्वाचन में उस सदन में भारत के संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की कुल संख्या के कम से कम दो प्रतिशत से निर्वाचित हुए हैं, आधे से अधिक किसी भी भाग (भिन्न) को एक गिना जाएगा ; और (II) उक्त अभ्यर्थी उस सदन के लिए राज्यों में से कम से कम निर्वाचित नहीं हुए हैं ।

6 ख. एक राज्जीय दल के रूप में मान्यता के लिए शर्तें—किमी राष्ट्रीय दल को छोड़कर कोई राजनैतिक दल किसी राज्य अथवा राज्यों में मान्यता प्राप्त तभी और केवल तभी माना जायेगा, यदि :—

या (क) (i) इसके द्वारा लोक सभा के अथवा सम्बन्धित राज्य की विधान सभा के पिछले साधारण निर्वाचन में खड़े किए गए अभ्यर्थी ने उस साधारण निर्वाचन में, उस राज्य में डाले गए कुल वैध मतों के छह प्रतिशत से कम मत प्राप्त नहीं किए हों ;
और (ii) इसके अनिवार्यतः उस विधान सभा के लिए पिछले साधारण निर्वाचन में उभने उस राज्य की विधान सभा के लिए कम से कम दो सदस्य निर्वाचित कराए हैं ;

या (ख) इमने उपर्युक्त साधारण निर्वाचन में, राज्य की विधान सभा में स्थानों की कुल संख्या में से कम से कम तीन प्रतिशत स्थान (किसी आधे से अधिक भाग (भिन्न) को एक गिना जाएगा) या विधान सभा में कम से कम तीन स्थान, को भी अधिक है, जीने हैं ।

6 ग. एक राष्ट्रीय या राज्जीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त बने रहने के लिए शर्तें :-

यदि कोई राजनैतिक दल पैरा 6क के अधिक राष्ट्रीय दल या पैरा 6ख के अधीन राज्जीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त है, तो यह प्रश्न कि क्या लोक सभा या जैसा भी मामला हो, सम्बन्धित राज्य की विधान सभा के किसी अनुवर्ती साधारण निर्वाचन के बाद भी ऐसे मान्यता प्राप्त बने रहेंगे, यह उस साधारण निर्वाचन के परिणामों पर उक्त पैरे में विनिर्दिष्ट शर्तों को उनके द्वारा पूरा किए जाने पर निर्भर करता है ।

4. व्यावृत्ति और निर्वाचन (1) पैरा 6क, 6ख या 6ग में निहित किसी बात के होने हुए भी यदि कोई दल निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आंकड़ों) (संशोधन) आदेश, 2000 के प्रारम्भ से तत्काल पूर्ण या तो एक राष्ट्रीय दल या एक राज्जीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त बना हुआ है, तो उक्त दल, उक्त आदेश के प्रारम्भ के बाद होने वाले लोक सभा या जैसा भी मामला हो, सम्बन्धित राज्य की विधान सभा के लिए होने वाले आगामी साधारण निर्वाचन के प्रयोजन हेतु उक्त दल को ऐसे राष्ट्रीय या राज्जीय दल का स्तर बना रहेगा और वह उसका लाभ प्राप्त करता रहेगा, और इसके बाद ऐसे राष्ट्रीय या राज्जीय दल के रूप में जारी इसकी मान्यता इसके द्वारा पैरा 6क या जो भी मामला हो, पैरा 6घ में विनिर्दिष्ट शर्तों को पूरा करने पर निर्भर करेगी ।

(2) संदेह दूर करने के लिए, यह एनडूद्वारा स्पष्ट किया जाता है कि पैरा 6क या पैरा 6ख में दी गई शर्तें राजनैतिक दल द्वारा पूरी नहीं की गई समझी जायेंगी, यदि :—

(i) यह नया बना है, चाहे मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय या राज्जीय दल के भंग होने के परिणाम-स्वरूप अथवा अन्यथा, और लोक सभा या जैसा भी मामला हो, सम्बन्धित राज्य की विधान सभा के अन्तिम साधारण निर्वाचन के बाद लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन आयोग में रजिस्ट्रीकृत है; अथवा

(ii) लोक सभा या किसी राज्य की विधान सभा के सदस्य द्वारा उनके उस सदन या जैसा भी मामला हो, उस विधान सभा में निर्वाचित होने के बाद उस दल में शामिल होने या उसकी सदस्यता लेने पर ।

3. पैरा 9 में संशोधन —

मुख्य आदेश के पैरा 9 के खण्ड (ख) में "पैरा 6" शब्द और आंकड़े के स्थान पर "पैरा 6 ख" शब्द आंकड़े और अक्षर रखे जाएंगे ।

4. पैरा 10क का अन्तः स्थापित :-

मुख्य आदेश के पैरा 10 के पश्चात् निम्नलिखित पैरा, पैरा 10क के रूप में अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“10क. किसी अमान्यता प्राप्त दल द्वारा, जो राष्ट्रीय या राज्यीय दल के रूप में पहले मान्यता प्राप्त था, खड़े किए अभ्यर्थियों को छूट—यदि कोई राजनैतिक दल जो इस समय अमान्यता प्राप्त है, नहीं लेकिन निर्वाचन की अधिसूचना की तारीख से छह वर्षों से अनाधिक किसी भी राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र में एक राष्ट्रीय या राज्यीय दल था, किसी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र में किसी निर्वाचन में, किसी निर्वाचन क्षेत्र से कोई अभ्यर्थी खड़ा करता है, भले ही वह दल उस राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र में पहले मान्यता प्राप्त था या नहीं, तब ऐसे अभ्यर्थी को उस निर्वाचन क्षेत्र में दूसरे सभी अभ्यर्थियों का अपवर्जन करते हुए वह प्रतीक आवंटित किया जाएगा जो उस दल के लिए पहले आरक्षित था जब वह दल मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय अथवा राज्यीय दल था, इस बात के होते हुए भी कि वह प्रतीक ऐसे राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र के मुक्त प्रतीकों की सूची में विनिर्दिष्ट नहीं किया गया हो, बशर्ते निम्नलिखित में से प्रत्येक शर्त पूरी होती हो, अर्थात्:-

(क) कि उक्त दल ने अपने द्वारा खड़े किए गए अभ्यर्थी को वह प्रतीक अनन्य रूप से आवंटित करने के लिए आवेदन, निर्वाचन की अपेक्षा करने वाली अधिसूचना के शासकीय राजपत्र में प्रकाशित होने के पश्चात् उसके तीन दिन के भीतर आयोग को दे दिया है।

(ख) कि उक्त अभ्यर्थी ने अपने नामांकन पत्र में यह घोषणा की हो कि उसे निर्वाचन में उस दल द्वारा खड़ा किया गया है और यह कि उस दल ने ऐसे अभ्यर्थी के सम्बन्ध में पैरा 13क के साथ पठित पैरा 13 के खण्ड (ख), (ग), (घ) और (ङ) की अपेक्षाएं पूरी भी पूरी कर ली हैं, और

(ग) कि आयोग के विचार में उसके पास ऐसे आवंटन के लिए इस प्रार्थना-पत्र को अस्वीकार करने का कोई यथोचित आधार नहीं है; बशर्ते किसी राज्य का संघ राज्य क्षेत्र में किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में, किसी निर्वाचन में, उक्त दल द्वारा खड़े किए गए उस अभ्यर्थी पर इस पैरा में विहित कुछ भी लागू नहीं होगा, जहां पर ऐसा प्रतीक उस राज्य या संघ राज्य क्षेत्र में किसी दूसरे राष्ट्रीय अथवा राज्यीय दल के लिए वही प्रतीक पहले से ही आरक्षित है”।

5. पैरा 11 में संशोधन :-

मुख्य आदेश के पैरा 11 में, “पैरा 10” शब्द और आंकड़ों के स्थान पर जहां कहीं भी आते ह, “पैरा 10 अथवा पैरा 10क”, शब्द, आंकड़े और अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

6. पैरा 12 का प्रतिस्थापित:-

मुख्य आदेश के पैरा 12 के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“12. अन्य अभ्यर्थियों द्वारा प्रतीकों का चयन और उनका आवंटन:- (1) किसी भी राज्य अथवा, संघ राज्य क्षेत्र में के किसी निर्वाचित क्षेत्र से, निर्वाचन में,

(क) किसी राष्ट्रीय दल द्वारा खड़े किए गए अभ्यर्थी, अथवा

(ख) किसी ऐसे राजनैतिक दल द्वारा, जो उस राज्य में राज्यीय दल है, खड़े किए गए अभ्यर्थी अथवा

(ग) पैरा 10 अथवा पैरा 10क में निर्दिष्ट अभ्यर्थी,

म भिन्न कोई अभ्यर्थी इस पैरा में एतद्वारा दिए गए उपबन्धों के अनुसार, पैरा 17 के अधीन अधिमूचना द्वारा उस राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र के लिए मुक्त प्रतीकों के रूप में विनिर्दिष्ट प्रतीकों में से एक प्रतीक को चुन लेगा और वही उसे आवंटित किया जाएगा।

(2) जहां कि ऐसे निर्वाचन में कई मुक्त प्रतीक केवल एक अभ्यर्थी द्वारा चुना गया है, वहां रिटनिंग आफिसर वह प्रतीक उस अभ्यर्थी को न कि किसी अन्य को आवंटित करेगा ;

(3) जहां कि ऐसे निर्वाचन में कई अभ्यर्थियों द्वारा एक ही मुक्त प्रतीक चुना गया है, वहां—

(क) यदि उन कई अभ्यर्थियों में से केवल एक अभ्यर्थी किसी अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दल द्वारा खड़ा किया गया है, तथा शेष सभी निर्दलीय अभ्यर्थी हैं, तो रिटनिंग आफिसर यह मुक्त प्रतीक उस अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दल द्वारा खड़े किए गए अभ्यर्थी को, न कि किसी अन्य को, आवंटित करेगा, और यदि उन कई अभ्यर्थियों में से दो या अधिक अभ्यर्थी विभिन्न अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दल खड़े किए गए हैं, तथा शेष निर्दलीय अभ्यर्थी हैं तो, रिटनिंग आफिसर लाट द्वारा यह विनिश्चय करेगा कि विभिन्न अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों द्वारा खड़े किए गए उन दो या अधिक अभ्यर्थियों में से किसको वह मुक्त प्रतीक आवंटित किया जाए तथा जिस अभ्यर्थी के पक्ष में लाट निकले उसी को, न कि किसी अन्य को, वह मुक्त प्रतीक आवंटित करेगा।

परन्तु जहां विभिन्न अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों द्वारा खड़े किए गए ऐसे दो या अधिक अभ्यर्थियों में से एक, ऐसे निर्वाचन में, ठीक पूर्व, यथास्थिति, लोक सभा अथवा विधान सभा, का आसीन सदस्य है, या था (इस तथ्य पर विचार किए बिना कि पहले निर्वाचन में जब यह ऐसा सदस्य चुना गया था उसे वहां मुक्त प्रतीक आवंटित किया गया था अथवा कोई अन्य प्रतीक), वह रिटनिंग आफिसर उस अभ्यर्थी को, न कि किसी अन्य को, वह मुक्त प्रतीक आवंटित करेगा ;

(ख) यदि उन कई अभ्यर्थियों में से कोई भी किसी अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दल द्वारा खड़ा नहीं किया गया है लेकिन सभी अभ्यर्थी निर्दलीय हैं, तथा उन निर्दलीय अभ्यर्थियों में से एक, ऐसे निर्वाचन में ठीक पूर्व यथास्थिति, लोक सभा अथवा विधान सभा का आसीन सदस्य है, या था, और पहले निर्वाचन में जब वह ऐसा सदस्य चुना गया था तब उसे वही मुक्त प्रतीक आवंटित किया गया था तो रिटनिंग आफिसर उस अभ्यर्थी को न कि किसी अन्य को, वह मुक्त प्रतीक आवंटित करेगा ; तथा

(ग) यदि उन कई अभ्यर्थियों में सभी निर्दलीय हैं और कोई भी यथापूर्वक आसीन सदस्य नहीं है या नहीं था तो रिटनिंग आफिसर लाट द्वारा यह विनिश्चय करेगा कि उन निर्दलीय अभ्यर्थियों में से किसको वह मुक्त प्रतीक आवंटित किया जाए, तथा जिस अभ्यर्थी के पक्ष में लाट निकले, उसी को, न कि किसी अन्य को, वह मुक्त प्रतीक आवंटित करेगा।

7. पैरा 13 में संशोधन.—

मुख्य आदेश के पैरा 13 में, खण्ड (क) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड प्रति स्थापित किया जाएगा,

अर्थात्,—

“(कक) अभ्यर्थी उस राजनैतिक दल का सदस्य है और उसका नाम दल के सदस्यों की नामावली में शामिल है”,

8. पैरा 14 में संशोधन—

मुख्य आदेश के पैरा 14 में,—(i) उस पैरा के शीर्षक में, “पैरा 6”, शब्द और आंकड़े के स्थान पर “पैरा 6क अथवा पैरा 6 ‘ख’” शब्द आंकड़े व अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(ii) मुख्य पैरा में, “पैरा 6 के उप-पैरा (2) में विनिर्दिष्ट ऐसी मान्यता के लिए कोई भी एक शर्त पूरी की है, शब्दों, आंकड़ों व कोष्ठकों के स्थान पर, “पैरा 6क अथवा पैरा 6 ख में विनिर्दिष्ट ऐसी मान्यता के लिए कोई भी शर्त पूरी की है”, शब्द, आंकड़े व अक्षर प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

9. पैरा 17 में संशोधन.—

मुख्य आदेश के पैरा 17 में:—

(i) खण्ड (खख) का विलोप किया जाएगा;

(ii) खण्ड (ग) के लिए निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(ग) अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दल और उनके मुख्यालयों के पते जो आयोग में रजिस्टर हैं;”

10. प्ररूप ख में संशोधन.—

मुख्य आदेश से संलग्न प्ररूप ख में, पैरा 2 के पश्चात् निम्नलिखित पैरा अन्तर्विष्ट किया जाएगा, अर्थात्:—

“3. यह प्रमाणित किया जाता है कि प्रत्येक अभ्यर्थी जिसके नाम का ऊपर उल्लेख किया गया है, इस राजनैतिक दल का एक सदस्य है और उसका नाम, इस दल के सदस्यों की नामावली में विधिवत् शामिल है।”

आदेश से

के 0 जे 0 राव,
सचिव।

ELECTION COMMISSION OF INDIA

NOTIFICATION

Nirvachan Sadan,
Ashoka Road,
New Delhi-110001.

1st December, 2000

Dated—
10 Agrahayana, 1922 (SAKA)

No. 56/2000/Jud.III.—In exercise of the powers conferred by Article 324 of the Constitution of India, read with Rules 5 and 10 of the Conduct of Elections Rules, 1961, and all other powers enabling it in this behalf, the Election Commission of India hereby makes the following Order to further amend the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, namely:

1. *Short title and commencement.*—(1) This order may be called the Election Symbols (Reservation and Allotment) (Amendment) order, 2000.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Gazette of India.

2. *Substitution of paragraphs 6 and 7.*—In the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968 (hereinafter referred to as the 'principal Order'), for paragraphs 6 and 7, the following paragraphs shall be submitted, namely:—

- “6. Classification of political parties.**—(1) For the purposes of this Order and for such other purposes as the Commission may specify as and when necessity therefor arises, political parties are either recognised political parties or unrecognised political parties.
(2) A recognised political party shall either be a National party or a State party.
6A. Conditions for recognition as a National party.—A political party shall be treated as a recognised National party if and only if,—

either (A) (i) the candidates set up by it, in any four or more States, at the last general election to the House of the People, or to the Legislative Assembly of the State concerned, have secured not less than six per cent of the total valid votes polled in their respective States at that general election; and (ii) in addition, it has returned at least four members to the House of the People at the aforesaid last general election from any State or States ;

or (B) (i) its candidates have been elected to the House of the People, at the last general election to that House, from at least two per cent of the total number of parliamentary constituencies in India, any fraction exceeding one-half being counted as one; and (ii) the said candidates have been elected to that House from not less than three States.

6B. Conditions for recognition as a State Party.—A political party, other than a National party, shall be treated as a recognised State party in a State or States, if, and only if,

either (A) (i) the candidates set up by it, at the last general election to the House of the People, or to the Legislative Assembly of the State concerned, have secured not less than six per cent of the total valid votes polled in that State at that general election; and (ii) in addition, it has returned at least two members to the Legislative Assembly of the State at the last general election to that Assembly:

or (B) it wins at least three per cent of the total number of seats in the Legislative Assembly of the State, (any fraction exceeding one-half being counted as one), or at least three seats in the Assembly, whichever is more, at the aforesaid general election.

6C. Conditions for continued recognition as a National or State Party.—If a political party is recognised as a National party under paragraph 6A, or as a State party under paragraph 6B, the question whether it shall continue to be so recognised after any subsequent general election to the House of the People or, as the case may be, to the Legislative Assembly of the State concerned, shall be dependent upon the fulfilment by it of the conditions specified in the said paragraphs on the result of that general election.

7. **Savings and Interpretation.**—(1) Notwithstanding anything contained in paragraph 6A, 6B or 6C, if any political party stands recognised, immediately before the commencement of the Election Symbols (Reservation and Allotment) (Amendment) Order, 2000, either as a National party or as a State party in some State or States, the said party shall continue to have and enjoy the status of such National or State party for the purposes of the next general election, to be held after the commencement of the said Order, to the House of the People or, as the case may be, to the Legislative

Assembly of the State concerned, and its continued recognition as such National or State party shall thereafter be dependent upon the fulfilment by it of the conditions specified in paragraph 6A or, as the case maybe, paragraph 6B.

- (2) For the removal of doubt, it is hereby clarified that the conditions in paragraph 6A or paragraph 6B shall not be deemed to have been satisfied by a political party,—
 - (i) if it is newly formed, whether as a result of split in a recognised National or State party or otherwise, and registered with the Commission under section 29A of the Representation of the People Act, 1951, after the last general election to the House of the People or, as the case may be, to the Legislative Assembly of the State concerned; or
 - (ii) on the joining or taking the membership of that party, by a member of the House of the People, or the Legislative Assembly of a State, after his election to that House or, as the case may be, that Assembly.

3. *Amendment to paragraph 9.*—In clause (b) of paragraph 9 of the principal order, for the word and figure ‘paragraph 6’, the word, figure and letter “paragraph 6B” shall be substituted.

4. *Insertion of new paragraph 10A.*—After paragraphs 10 of the principal order, the following paragraph shall be inserted as paragraph 10A, namely:—

‘10A. Concession to candidates set up by an unrecognised party which was earlier recognised as a National or State party.—If a political party, which is unrecognised at present but was a recognised National or State party in any State or Union territory at an earlier than six years from the date of notification of the election, sets up a candidate at an election in a constituency in any State or Union territory, whether such party was earlier recognised in that State or Union territory or not, then such candidate may, to the exclusion of all other candidates in the constituency, be allotted the symbol reserved earlier for that party when it was a recognised National or State party, notwithstanding that such symbol is not specified in the list of free symbols for such State or Union territory, on the fulfilment of each of the following conditions, namely:—

- (a) that an application is made to the Commission by the said party for the exclusive allotment of that symbol to the candidate set up by it, not later than the third day after the publication in the Official Gazette of the notification calling the election;
- (b) that the said candidate has made a declaration in his nomination paper that he has been set up by that party at the election and that the party has also fulfilled the requirements of clauses (b), (c), (d) and (e) of paragraph 13 read with paragraph 13A in respect of such candidate ; and
- (c) that in the opinion of the Commission there is no reasonable ground for refusing the application for such allotment :

Provided that nothing contained in this paragraph shall apply to a candidate set up by the said party at an election in any constituency in a State or Union territory where the same symbol is already reserved for some other National or State party in that State or Union Territory.”

5. *Amendment to paragraph 11.*—In paragraph 11 of the principal order, for the word and figures 'paragraph 10', wherever they occur, the words, figures and letter 'paragraph 10 or paragraph 10A' shall be substituted.

6. *Substitution of paragraph 12.*—For paragraph 12 of the principal order, the following paragraph shall be substituted, namely:

"12. Choice of symbols by other candidates and allotment thereof.—(1) Any candidate at an election in a constituency in any State or Union territory, other than:

- (a) a candidate set up by a National party; or
- (b) a candidate set up by a political party which is a State party in that State, or
- (c) a candidate referred to in paragraph 10 or paragraph 10A,

shall choose, and shall be allotted, in accordance with the provisions hereafter set out in this paragraph, one of the symbols specified as free symbols for that State or Union Territory by notification under paragraph 17.

- (2) Where any free symbol has been chosen by only one candidate at such election, the returning officer shall allot that symbol to that candidate, and to no one else.
- (3) Where the same free symbol has been chosen by several candidates at such election, then:—

- (a) if of those several candidates, only one is a candidate set up by an unrecognised political party and all the rest are independent candidates, the returning officer shall allot that free symbol to the candidate set up by the unrecognised political party, and to no one else, and if, of those several candidates, two or more are set up by different unrecognised political parties and the rest are independent candidates, the returning officer shall decide by lot to which of the two or more candidates set up by the different unrecognised political parties that free symbol shall be allotted and allot that free symbol to the candidate on whom the lot falls, and to no one else :

Provided that where of the two or more such candidates set up by such different unrecognised political parties, only one is, or was immediately before such election a sitting member of the House of the People, or, as the case may be, of the Legislative Assembly (irrespective of the fact as to whether he was allotted that free symbol or any other symbol at the previous election when he was chosen as such member, the returning officer shall allot that free symbol to that candidate, and to no one else ;

- (b) if, of those several candidates, no one is set up by any unrecognised political party and all are independent candidates, but one of the independent candidates is, or was, immediately before such election a sitting member of the House of the People, or, as the case may be, of the Legislative Assembly, and was allotted that free symbol at the previous election when he was chosen as such member, the Returning Officer shall allot that free symbol to that candidate, and to no one else ; and
- (c) if, of those several candidates, being all independent candidates, no one is, or was, a sitting member as aforesaid, the returning officer shall decide by lot to which of those independent candidates that free symbol shall be allotted, and allot that free symbol to the candidates on whom the lot falls, and to no one else.

7. *Amendment of paragraph 13.*—In paragraph 13 of the principal order, after clause (a), the following clause shall be inserted, namely:—

“(a) the candidate is a member of that political party and his name is borne on the roll of members of the party;”

8. *Amendment of paragraph 14.*—In paragraph 14 of the principal order,—

(i) in the heading of that paragraph, for the word and figure ‘paragraph 6; the words, figures and letters ‘paragraph 6 A or paragraph 6B’ shall be substituted ;

(ii) in the main paragraph, for the words, figures and brackets ‘fulfilled either of the conditions for such recognition specified in sub-paragraph (2) of paragraph 6 ; the words, figures and letters ‘fulfilled any of the conditions for such recognition specified in paragraph 6 A or paragraph 6 B’ shall be substituted.

9. *Amendment of paragraph 17.*—In paragraph 17 of the principal order:

(i) clause (bb) shall be omitted ;

(ii) for clause (c), the following clause shall be substituted namely:

“(c) the un-recognised political parties and the addresses of their headquarters registered with the Commission;”.

10. *Amendment of Form B.*—In Form B appended to the principal order, after paragraph 2, the following paragraph shall be inserted, namely:—

“3. It is certified that each of the candidates whose name is mentioned above is a member of this political party and his name is duly borne on the rolls of members of this party.”.

By order,
K. J. RAO,
Secretary.